PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD
Middle School Teacher Eligibility Test - 2018
10th Mar 2019 09:30AM

Topic:- Child Development & Pedagogy (CDP)

1) One of the symptoms of dyspraxia is: / डिस्प्रेक्सिया के लक्षणों में से एक है:

1. Problem in understanding spellings / वर्तनी समझने में समस्या
2. Problem in doing mathematical calculations / गणितीय गणना करने में समस्या
3. Problem in holding a pen and writing / एक कलम पकड़ने और लिखने में समस्या
4. Problem in the accent of a language / भाषा के उच्चारण में समस्या

Correct Answer :-

- Problem in holding a pen and writing / एक कलम पकड़ने और लिखने में समस्या

2) Material for later retrieval is stored in the _____. / बाद की पुनर्प्राप्ति के लिए सामग्री को _____ में संग्रहीत किया जाता है।

1. Long term memory / दीर्घकालिक स्मृति
2. Short term memory / लघुकालिक स्मृति
3. Rote memory / कंठस्थ स्मृति
4. Sensory memory / संवेदी स्मृति

Correct Answer :-

- Long term memory / दीर्घकालिक स्मृति

3) Which of the following is a technique used to address stuttering?/ निम्न में से कौन-सी एक तकनीक है जिसका उपयोग हकलाने (रूक-रूक कर बोलेने) को एड्रेस करने के लिए किया जाता है?

1. Prolonged Speech / लम्बा भाषण
2. Purposeful Speech / उद्देश्यपूर्ण भाषण
3. Practical Speech / व्यावहारिक भाषण
4. Delayed Speech / विलंबित भाषण

Correct Answer :-

- Prolonged Speech / लम्बा भाषण

4) The enrichment of environment and experience in the early years of life will enable to develop _____. / जीवन के प्रारंभिक वर्षों में वातावरण और अनुभव की समृद्धि _____ का विकास करने में सक्षम होगी।

1. innate potentialities / जन्मजात क्षमता

2. problems / समस्याएं

3. heredity / आनुवंशिकता

4. intelligence / बुद्धि

Correct Answer :-

- innate potentialities / जन्मजात क्षमता

5) Achievement in school is most closely related to _____. / विद्यालय में उपलब्धि _____ से सबसे अधिक निकटता से संबंधित है।

1. The attitude of parents / माता-पिता के व्यवहार

2. The conduct of students / छात्रों का आचरण

3. The interaction of peer group / साथी समूह की बातचीत

4. The quality of teachers / शिक्षकों की गुणवत्ता

Correct Answer :-

- The quality of teachers / शिक्षकों की गुणवत्ता

6) Constructivism does NOT acknowledge the value of knowledge that is: / निर्माणवाद ज्ञान के मूल्य को स्वीकार नहीं करता है जो निम्न है:

1. Personal / वैयक्तिक

2. Subjective / व्यक्तिपरक

3. Universal/ सार्वभौमिक

4. Individual / व्यक्तिगत

Correct Answer :-

- Universal/ सार्वभौमिक

7) The fear of strangers the children develop, is because of _____. / अजनबियों का भय जो बच्चे विकसित करते हैं, _____ के कारण होता है।

1. Operant conditioning / क्रियाप्रसूत प्रानुकूलन (ऑपरेंट कंडीशनिंग)

2. Sign learning / संकेत अधिगम

3. Classical conditioning / चिरप्रतिष्ठित प्रानुकूलन (क्लासिकल कंडीशनिंग)

4. Insight learning / अंतर्दृष्टि अधिगम

Correct Answer :-

- Classical conditioning / चिरप्रतिष्ठित प्रानुकूलन (क्लासिकल कंडीशनिंग)

---

8) The inherent abilities of the child should be _____ while designing the curriculum. / पाठ्यक्रम डिजाइन करते समय बच्चे की अंतर्निहित क्षमताओं को _____चाहिए।

1. Considered / ध्यान में लाना

2. Discarded / निकाल देना

3. Separated / अलग करना

4. Ignored / नजरअंदाज करना

Correct Answer :-

- Considered / ध्यान में लाना

---

9) According to Erikson, role confusion occurs if the _____ is not established. / एरिक्सन के अनुसार, यदि _____ स्थापित नहीं होता है तो भूमिका में भ्रम होता है।

1. Intimacy / आत्मीयता

2. Initiative / पहल

3. Industry / परिश्रम

4. Identity / पहचान

Correct Answer :-

- Identity / पहचान

---

10) _____ has developed a socio cultural approach to cognitive development. / _____ ने संज्ञानात्मक विकास के लिए एक सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण विकसित किया है।

1. Jerome Bruner / जेरोम ब्रूनर

2. Kolb / कोल्ब

3. Jean Piaget / जीन पियाज़े

4. Lev Vygotsky / लिव वाइगोत्स्की

Correct Answer :-

- Lev Vygotsky / लिव वाइगोत्स्की

11) Child development refers to: / बाल विकास निम्न से संबंधित है:

1. Quantitative changes only / केवल मात्रात्मक परिवर्तन
2. Qualitative changes only / केवल गुणात्मक परिवर्तन
3. Qualitative changes corresponding to quantitative changes/ गुणात्मक परिवर्तन, मात्रात्मक परिवर्तनों के अनुरूप होते हैं।
4. Qualitative changes independent of quantitative changes/ गुणात्मक परिवर्तन, मात्रात्मक परिवर्तनों से स्वतंत्र हैं।

Correct Answer :-

- Qualitative changes corresponding to quantitative changes/ गुणात्मक परिवर्तन, मात्रात्मक परिवर्तनों के अनुरूप होते हैं।

12) What is the most heavily associated characteristic of bipolar disorder among children? / बच्चों में होने वाले द्विध्रुवी विकार (बाइपोलर डिस्ऑर्डर) की सबसे बड़ी विशेषता क्या है?

1. Being hyperactive. / अतिसक्रिय होना।
2. Being sad often. / अक्सर उदास होना।
3. Extreme mood changes./ मूड में अत्यधिक बदलाव होना।
4. Having exciting behavior./ रोमांचक व्यवहार करना।

Correct Answer :-

- Extreme mood changes./ मूड में अत्यधिक बदलाव होना।

13) What type of theories acknowledge the contribution of both experience and genetics in development? / किस प्रकार के सिद्धांत, विकास में अनुभव और आनुवंशिकी दोनों के योगदान को स्वीकारते हैं?

1. Interactionist theories / अंतःक्रियावादी सिद्धांत
2. Nature theories / प्रकृति सिद्धांत
3. Deterministic theories / नियतिवाद सिद्धांत
4. Nurture theories / पालन-पोषण सिद्धांत

Correct Answer :-

- Interactionist theories / अंतःक्रियावादी सिद्धांत

14) What type of intelligence is involved in overall success in living according to Sternberg? / स्टर्नबर्ग के अनुसार, रहन-सहन (लिविंग) में समग्र सफलता में किस प्रकार की बुद्धिमत्ता शामिल होती है?

1. Logical-mathematical intelligence / तार्किक-गणितीय बुद्धिमत्ता

2. Componential intelligence / स्थूल बुद्धिमत्ता

3. General intelligence / सामान्य बुद्धिमत्ता

4. Practical intelligence / व्यावहारिक बुद्धिमत्ता

Correct Answer :-

- Practical intelligence / व्यावहारिक बुद्धिमत्ता

15) What term refers to the biological development of an individual? / किसी व्यक्ति के जैविक विकास के लिए क्या शब्द इस्तेमाल किया जाता है?

1. Learning / अधिगम

2. Maturity / परिपक्वता

3. Maturation / परिपक्वता

4. Aging / आयुवृद्धि

Correct Answer :-

- Maturation / परिपक्वता

16) What term denotes the negative and positive evaluations an individual makes about the self? / किसी व्यक्ति द्वारा स्वयं के बारे में किए गए नकारात्मक और सकारात्मक मूल्यांकन को किस शब्द ने निरूपित किया?

1. Self-esteem / आत्म-सम्मान

2. Self-efficacy / स्व-प्रभावकारिता

3. Self-centeredness / आत्म-केंद्रीयता

4. Self involvement / स्व-सहभागिता

Correct Answer :-

- Self-esteem / आत्म-सम्मान

17) Which psychologist carried out an experiment of classical conditioning involving a little boy called Albert? / किस मनोवैज्ञानिक ने अल्बर्ट नामक एक छोटे बालक को शामिल करते हुए शास्त्रीय अनुबंधन (क्लासिकल कंडीशनिंग) पर एक प्रयोग किया?

1. B.F. Skinner / बी. एफ. स्किनर

2. E.L. Thorndike / ई. एल. थार्नडाइक

3. Ivan Pavlov / इवान पावलोव

4. John Watson / जॉन वॉटसन

Correct Answer :-

- John Watson / जॉन वॉटसन

---

18) Which part of the sensory register captures visual aspects of the environment? / संवेदी रजिस्टर का कौन-सा हिस्सा पर्यावरण के दृश्य पहलुओं को कैप्चर करता है?

1. Iconic memory / प्रतिष्ठित स्मृति

2. Echoic memory / गूंज स्मृति

3. Visuospatial sketchpad / नेत्र संबंधी स्केचपैड

4. Visual store / दृश्य संग्रह

Correct Answer :-

- Iconic memory / प्रतिष्ठित स्मृति

---

19) Which of the following is a reason for a student seeking counselling/ यदि एक छात्र परामर्श लेता है, तो इसका निम्नलिखित में से क्या कारण होता है?

1. Career indecisions/ पेशागत असमंजस

2. Sensible/ समझदार

3. Strong/ मजबूती

4. Superior/ श्रेष्ठता

Correct Answer :-

- Career indecisions/ पेशागत असमंजस

---

20) Which of the following is not a technique to aid the storage of information in long term memory? / निम्नलिखित में से कौन-सी दीर्घकालिक स्मृति में सूचना के भंडारण में सहायता करने की तकनीक नहीं है?

1. Elaboration / विस्तार

2. Rehearsal / रिहर्सल

3. Chunking / चंकिंग

4. Mnemonics / स्मृति-विज्ञान

Correct Answer :-

- Chunking / चंकिंग

---

21) Which of the following statement would be true in case of an extrovert person?/ बहिर्मुखी व्यक्ति के मामले में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही होगा?

1. Social situations drain their energy./ सामाजिक परिस्थितियाँ उनकी ऊर्जा को समाप्त कर देती हैं।

2. They gain energy from social situations./ वे सामाजिक स्थितियों से ऊर्जा प्राप्त करते हैं।

3. They gain energy from within. / उनको अंदर से ऊर्जा प्राप्त होती है।

4. They prefer working alone./ वे अकेले काम करना पसंद करते हैं।

Correct Answer :-

- They gain energy from social situations./ वे सामाजिक स्थितियों से ऊर्जा प्राप्त करते हैं।

---

22) Which of the following statements is true regarding algorithms?/ एल्गोरिथम के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

1. An algorithm is a set of steps to follow intended to solve a specific problem. / एल्गोरिथम एक विशिष्ट समस्या को हल करने के उद्देश्य से अनुसरण करने के लिए चरणों का एक समूह है।

2. An algorithm is a rule of thumb that gives some guidance on how to do a task but does not guarantee a solution consistently./ एल्गोरिथम एक अनुभवसिद्ध नियम है जो किसी कार्य को करने के बारे में कुछ मार्गदर्शन देता है लेकिन निरंतर समाधान की गारंटी नहीं देता है।

3. An algorithm's success is independent of the sequence of steps followed during its execution./ एक एल्गोरिथम की सफलता इसके निष्पादन के दौरान उठाए गए चरणों के अनुक्रम से स्वतंत्र है।

4. An algorithm is a rule of thumb that gives some guidance on how to do a task & guarantees a solution every time./ एल्गोरिथम एक अनुभवसिद्ध नियम है जो किसी कार्य को करने के लिए कुछ मार्गदर्शन देता है और हर बार समाधान की गारंटी देता है।

Correct Answer :-

- An algorithm is a set of steps to follow intended to solve a specific problem. / एल्गोरिथम एक विशिष्ट समस्या को हल करने के उद्देश्य से अनुसरण करने के लिए चरणों का एक समूह है।

---

23) Who used the term Deviation Intelligence Quotient? / विचलन बुद्धि उपलब्धता (डेविएशन इंटेलिजेंट क्वींट) शब्द का प्रयोग किसने किया?

1. Alfred Binet / अल्फ्रेड बिनेट

2. Lewis Terman / लुइस टर्मन

3. David Wechsler / डेविड वेस्चलर

4. William Stern / विलियम स्टर्न

Correct Answer :-

- David Wechsler / डेविड वेस्चलर

24) How does academic curricula subtly promote gender discrimination? / अकादमिक पाठ्यक्रम, लिंग भेदभाव को कैसे बढ़ावा देता है?

1. Very little mention of achievements by females compared to achievements by male. / पुरुष की तुलना में महिलाओं की उपलब्धियों का बहुत कम उल्लेख करना।
2. Unethical grading amongst males and female students. / पुरुषों और महिला छात्रों के बीच अनैतिक ग्रेडिंग।
3. Focusing mathematics and science courses only to male students / केवल पुरुष छात्रों के लिए गणित और विज्ञान पाठ्यक्रम पर केंद्रित करना।
4. Unequal funding towards male education compared to female education / महिला शिक्षा की तुलना में पुरुष शिक्षा के प्रति असमान निधिकरण ।

Correct Answer :-

- Very little mention of achievements by females compared to achievements by male. / पुरुष की तुलना में महिलाओं की उपलब्धियों का बहुत कम उल्लेख करना।

25) Children having phonological core deficits suffer from _____. / फोनोलॉजिकल कोर कमी वाले बच्चे _____ से पीड़ित होते हैं।

1. Dyslexia / डिस्लेक्सिया
2. Dyscalculia / डिस्कैलक्यूलिया
3. Dystopia / डिस्टोपिया
4. Dysnomia / डिस्नोमिया

Correct Answer :-

- Dyslexia / डिस्लेक्सिया

26) A father expects all his children, aged 4, 6 and 12 to learn the same subjects together. This would be in violation of which principle of development? / एक पिता अपने 4, 6 और 12 वर्ष की आयु के सभी बच्चों से उम्मीद करता है कि वे एक साथ समान विषय सीखें। यह विकास के किस सिद्धांत का खंडन होगा?

1. There are individual rates of development / विकास की अलग-अलग दरें (रेट्स) होती हैं।
2. Development proceeds from simple to complex / विकास सरलता से जटिलता की ओर आगे बढ़ता है।
3. Development depends on maturation and learning / विकास, परिपक्वता और अधिगम पर निर्भर करता है।
4. Development is a continuous process / विकास एक सतत प्रक्रिया है।

Correct Answer :-

- Development depends on maturation and learning / विकास, परिपक्वता और अधिगम पर निर्भर करता है।

27) Intelligence is something that grows and develops through a series of stages. There are both qualitative and quantitative differences between the thinking of young children versus older children. Who put forward this theory? / बुद्धिमत्ता (इंटेलिजेंस) एक ऐसी प्रक्रिया है जो कई अवस्थाओं की श्रृंखला के माध्यम से बढ़ती और विकसित होती है। छोटे बच्चों बनाम बड़े बच्चों की सोच के बीच गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों अंतर हैं। इस सिद्धांत को किसने प्रतिपादित किया?

1. B.F Skinner / बी. एफ. स्किनर

2. Howard Gardner / हावर्ड गार्डनर

3. Jean Piaget / जीन पियाजे

4. John Dewey / जॉन डूई

Correct Answer :-

- Jean Piaget / जीन पियाजे

28) The infant is able to move about, especially because of the growth of ____. / विशेष रूप से _____ के विकास के कारण शिशु गतिशील होने में सक्षम है।

1. Motor areas only / केवल मोटर क्षेत्र (मोटर एरिया)

2. Neither sensory nor motor areas / न तो संवेदी और न ही क्रियात्मक क्षेत्र

3. Sensory areas only / केवल संवेदी क्षेत्र (सेंसर एरिया)

4. Sensory and motor areas / संवेदी और क्रियात्मक क्षेत्र दोनों

Correct Answer :-

- Sensory and motor areas / संवेदी और क्रियात्मक क्षेत्र दोनों

29) _____ can cause deficiency diseases that adversely affect the growth and development of children / _____ , कमी की बीमारियों का कारण बन सकता है जो बच्चों की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

1. Mental Illness / मानसिक बीमारी

2. Anemia/ रक्ताल्पता

3. Malnutrition/ कुपोषण

4. Clinical Depression/ नैदानिक अवसाद

Correct Answer :-

- Malnutrition/ कुपोषण

30) _____ attribution assigns the cause of behavior to the internal characteristics of a person. / _____ गुणारोपण (एट्रिब्यूशन) किसी व्यक्ति की आंतरिक विशेषताओं के व्यवहार का कारण बताता है।

1. Dispositional / फैलाव (डिस्पोजिशनल)

2. Situational / स्थितिजन्य

3. Environmental / पर्यावरण

4. Cultural / सांस्कृतिक

Correct Answer :-

- Dispositional / फैलाव (डिस्पोजिशनल)

Topic:- General Sanskrit(L1GS)

1) 'करिष्यति' इत्यस्य लट् लकारे रूपं किम् ?

1. करोति ।

2. करोतु ।

3. अकरोत् ।

4. कारयति ।

Correct Answer :-

- करोति ।

2) 'अयते स्म' इत्यस्य अर्थः कः ?

1. आयत ।

2. आयतिः ।

3. आयाति ।

4. यास्यति ।

Correct Answer :-

- आयत ।

---

3) भूधातोः लुङ्-प्रथमपुरुष-बहुवचनरूपं किम् ?

1. अभूत् ।

2. अभवताम् ।

3. अभवम् ।

4. अभूवन् ।

Correct Answer :-

- अभूवन् ।

---

4) २९२२ इति संख्यां शब्दैः लिखत ।

1. द्विविंशत्यधिकनवदशशतम् ।

2. द्वाविंशत्यधिकनवविंशतिशतम् ।

3. द्वाविंशत्यधिकदशशतम् ।

4. द्वाविशत्यधिकनवशतम् ।

Correct Answer :-

- द्वाविंशत्यधिकनवविंशतिशतम् ।

5) जरसे पदस्य द्वितीया बहुवचनं किम् ?

1. जरान् ।
2. जरम् ।
3. जराः ।
4. जरः ।

Correct Answer :-

- जराः ।

6) 'वन्दसे' इत्यस्य बहुवचनं किम् ?

1. वन्दे ।
2. वन्दध्वे ।
3. वन्दते ।
4. वन्देथे ।

Correct Answer :-

- वन्दध्वे ।

7) सर्वस्याम् इति कस्यां विभक्तौ वर्तते ?

1. द्वितीया ।
2. तृतीया ।
3. सप्तमी ।
4. चतुर्थी ।

Correct Answer :-

- सप्तमी ।

8) 'पिक' शब्दस्य अर्थः कः ?

1. कोकिलः ।
2. तोकः ।
3. लोकः ।
4. कोकः ।

Correct Answer :-

- कोकिलः ।

---

9) 'कृष्णैकता' इत्यत्र सन्धिः कः ?

1. वान्तादेशः ।
2. सवर्णदीर्घः ।
3. गुणः ।
4. वृद्धिः ।

Correct Answer :-

- वृद्धिः ।

---

10) वसन्त-ऋतौ मधुमासः कः ।

1. आश्विनः ।
2. चैत्रः ।
3. माघः ।
4. श्रावणः ।

Correct Answer :-

- चैत्रः ।

---

11) पात्रत्वात् किमाप्नोति ?

1. धनाय ।
2. धनेन ।
3. धनम् ।
4. धने ।

Correct Answer :-

- धनम् ।

---

12) 'प्रकाम्य' इत्यत्र प्रत्ययः कः ?

1. क्यत् ।
2. यत् ।
3. ल्यप् ।
4. यङ् ।

Correct Answer :-

- ल्यप् ।

---

13) पटोः भावः कः ?

1. पटुतम् ।

2. पाटवम् ।

3. पटुतवम् ।

4. पटुताम् ।

Correct Answer :-

- पाटवम् ।

---

14) 'स्वामिन्' शब्दयोगे का विभक्तिः प्रयुज्यते ?

1. प्रथमा ।

2. षष्ठी सप्तमी वा ।

3. सप्तमी ।

4. द्वितीया ।

Correct Answer :-

- षष्ठी सप्तमी वा ।

---

15) शाम्भवः कस्य पुत्रः ?

1. शम्भोः ।

2. विधेः ।

3. गिरेः ।

4. हरेः ।

Correct Answer :-

- शम्भोः ।

---

16) पौत्राः ..... । अत्र रिक्तस्थानं पूरयत ।

1. गायन्ति ।

2. गच्छति ।

3. गच्छावः ।

4. गच्छसि ।

Correct Answer :-

- गायन्ति ।

---

17) शम्भोः पदस्य मूलरूपं किम् ?

1. शम्भु ।

2. शम्भुः ।

3. शम्भू ।

4. शम्भो ।

Correct Answer :-

- शम्भु ।

18) हाहा शब्दः कस्मिन् लिङ्गे वर्तते ?

1. पुंनपुंसके ।

2. नपुंसकलिङ्गे ।

3. पुंलिङ्गे ।

4. स्त्रीलिङ्गे ।

Correct Answer :-

- पुंलिङ्गे ।

19) स शम्भुः इत्यत्र सन्धिविच्छेदं कुरुत ।

1. सो + शम्भुः ।

2. स + शम्भूः ।

3. सा + शम्भुः ।

4. सः + शम्भुः ।

Correct Answer :-

- सः + शम्भुः ।

---

20) 'सुष्ठु' इति कीदृशं पदम् ?

1. अव्ययम् ।

2. नपुंसकम् ।

3. स्त्रीलिङ्गम् ।

4. पुंलिङ्गम्।

Correct Answer :-

- अव्ययम् ।

---

21) 'क्रामति' इत्यत्र धातुः कः ?

1. क्रामु ।

2. क्रमु ।

3. क्रामि ।

4. क्राम ।

Correct Answer :-

- क्रमु ।

---

22) 'मालामालिन्यम्' इत्यत्र विग्रहवाक्यं किम् ?

1. मालायां मालीन्यम् ।

2. मालास्य मालिन्यम् ।

3. मालायाः मालिन्यम् ।

4. मालया मलिन्यम् ।

Correct Answer :-

- मालायाः मालिन्यम् ।

---

23) 'सारसम्' इति पदस्य मूलरूपं किम् ?

1. सारस ।

2. सरसि ।

3. सरस् ।

4. सरसः ।

Correct Answer :-

- सरस् ।

---

24) स्पृष्टं प्रयतनं केषाम् ?

1. अस्पर्शानाम् ।
2. स्पर्शानाम् ।
3. अस्पृष्टानाम् ।
4. स्पृष्टानाम् ।

Correct Answer :-

- स्पर्शानाम् ।

---

25) 'पञ्चादशि' इति शब्दं शोधयत ।

1. पञ्चादशा ।
2. पञ्चदशी ।
3. पञ्छाधश ।
4. पञ्चादश ।

Correct Answer :-

• पञ्चदशी ।

26) 'अभविष्यत्' इति कस्मिन् पुरुषे अस्ति ?

1. उत्तमोत्तमे ।

2. उत्तमे ।

3. मध्यमे ।

4. प्रथमे ।

Correct Answer :-

• प्रथमे ।

27) १.३३ इति घण्टाम् अक्षरैः लिखत ।

1. सार्धैकात्रिवादनम् ।

2. एकत्रित्रिंशद्वादनम् ।

3. त्र्युत्तरसार्धैकवादनम् ।

4. एकोत्तरत्रित्रिंशद्वादनम् ।

Correct Answer :-

• त्र्युत्तरसार्धैकवादनम् ।

28) फलितव्यम् इति पदं पृथक् कुरुत ।

1. फल् तव्य ।
2. पल् तव्य ।
3. फली तव्य ।
4. फलि तव्य ।

Correct Answer :-

- फल् तव्य ।

29) 'ज्ञानेन्द्रः' इत्यस्य वर्णान् पृथक् पृथक् लिखत ।

1. ज् ञ् आ न् ए न् द् अः।
2. ज् आ न् ए न् द् र् अः ।
3. ञ् आ न् ए न् द् र् अः ।
4. ज् ञ् आ न् ए न् द् र् अः।

Correct Answer :-

- ज् ञ् आ न् ए न् द् र् अः।

30)

जप् धातोः क्त्वा प्रत्यये रूपं किम् ?

1. जोपित्वा ।

2. जीपित्वा ।

3. जापित्वा ।

4. जपित्वा ।

Correct Answer :-

- जपित्वा ।

Topic:- General Hindi(L2GH)

1) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - अन्नदाताओं के सुख कौन हरते हैं?

1. महाजन
2. फसल
3. सूदखोर
4. दुःख

Correct Answer :-

- दुःख

---

2) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - विरहनी के अनुसार प्रभु के साथ कौन आएँगें?

1. प्रियतम

2. लोग

3. भक्त

4. सद्-विचार

Correct Answer :-

- प्रियतम

3) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - किसका त्याग करके किसान मूल धर्म का पालन करते हैं ?

1. शाखामय बुद्धि

2. हृदयगत भाव

3. अपने अधिकार

4. अपने परिवार

Correct Answer :-

- शाखामय बुद्धि

---

4) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कौन प्राणों से टक्कर ले रहा है?

1. राजा

2. कृषक

3. पक्षी

4. पल पल

Correct Answer :-

- पल पल

---

5) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - पद्यांश में आए शब्द 'सुधा' का समानार्थी निम्न में से कौन-सा शब्द है?

1. विष

2. जीवनोदक

3. पानी

4. अन्न

Correct Answer :-

- जीवनोदक

---

6) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - पद्यांश के अनुसार कृषकों का गर्व करना क्यों उचित है?

1. उन्हें सुधा की धार उपलब्ध नहीं है।
2. वे सपत्नी नहीं विचरते हैं।
3. क्योंकि उनके यहाँ अन्न है।
4. वे बात-बात मे दंड के पात्र होते हैं।

Correct Answer :-

- क्योंकि उनके यहाँ अन्न है।

7) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - पद्यांश के अनुसार कौन पत्नी सहित विचरते हैं?

1. कृषक

2. जनता

3. सैनिक

4. लोग

Correct Answer :-

- कृषक

8) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - पद्यांश के अनुसार प्रियतम इस ओर कब लौटेंगें ?

1. जब उन्हें रास्ता मिलेगा।
2. जब उन्हें लक्ष्य प्राप्त होगा।
3. जब चौदह वर्ष होंगे।
4. जब वे विजयी होंगें।

Correct Answer :-

- जब चौदह वर्ष होंगे।

---

9) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - पद्यांश के अनुसार रजनी किससे जम बैठी है?

1. विषम पाले से
2. सूर्य से
3. कलह से
4. दिनों से

Correct Answer :-

- विषम पाले से

---

10) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कलह का मूल कौन है?

1. व्यक्ति

2. भूमि

3. संसार

4. सैनिक

Correct Answer :-

- भूमि

11) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कवि के अनुसार सच्चा राज्य कौन करते है?

1. कृषक

2. बालक

3. सैनिक

4. युवा

Correct Answer :-

- कृषक

12) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - प्रस्तुत कविता के लिए उचित शीर्षक का चयन कीजिए?

1. कृषक जीवन
2. हम राज्य लिए मरते हैं!
3. प्रभु निष्कासन
4. कलह का कारण

Correct Answer :-

- हम राज्य लिए मरते हैं!

---

13) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - प्रस्तुत पंक्तियों की नायिका राज्य को क्यों धिक्कार रही है ?

1. तात को मृत्यु-दण्ड मिलने के कारण
2. प्रभु को निष्कासन मिलने के कारण
3. निम्नलिखित सभी कारणों से
4. उसे कारागृह मिलने के कारण

Correct Answer :-

- निम्नलिखित सभी कारणों से

---

14) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - अमेरिका की स्त्रियों ने किनके दर्शन नहीं किए थे?

1. जोसेफ अर्नोल्ड के

2. हिटलर के

3. अब्राहम लिंकन के

4. बिल क्लिंटन के

Correct Answer :-

- अब्राहम लिंकन के

---

15) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - नारियों ने लिंकन के किस रूप की कल्पना की थी?

1. फैशनेबल और रोबदार

2. रूपवान

3. रूआबिल

4. गोरे और लम्बे

Correct Answer :-

- फैशनेबल और रोबदार

---

16) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की

परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - लिंकन के अनुसार कौन परमात्मा के प्यारे होते हैं?

1. विनम्र

2. फैशनेबल

3. महापुरुष

4. गरीब

Correct Answer :-

- गरीब

---

17) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - लोग उनके दर्शन के लिए कहां गए थे?

1. अमेरिका

2. ओवल हॉल

3. ऑडिटोरियम

4. सीनेट हॉल

Correct Answer :-

- सीनेट हॉल

---

18) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब

राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - गरीबी का लाभ क्या है?

1. परमात्मा के प्रति उत्तरदायित्व कम होता है।

2. गरीब विनम्र होते हैं।

3. अमीरों की अपेक्षा ज्यादा सुखी होते हैं।

4. अमीरों के प्रति उत्तरदायित्व कम होता है।

Correct Answer :-

- परमात्मा के प्रति उत्तरदायित्व कम होता है।

---

19) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कुलीन शब्द "कुल "से बना है उसी तरह सम्मानित शब्द किससे बना है?

1. सामान

2. सम्मान

3. समान

4. सामान्य

Correct Answer :-

- सम्मान

---

20) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - अब्राहम लिंकन अपने किन गुणों के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति बने?

1. विनम्रता

2. चतुरता

3. मेहनती

4. उद्यम और परिश्रम

Correct Answer :-

- उद्यम और परिश्रम

---

21) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - उक्त गद्यांश से हमें लिंकन के कौन सी चारित्रिक विशेषता का पता चलता है?

1. फैशनेबल

2. गरीबी

3. रोब

4. सादगी

Correct Answer :-

- सादगी

---

22) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - परमात्मा के सामने हमें किसकी परीक्षा देनी होती है?

1. धैर्य,परिश्रम,संतोष और उत्तम जीवन

2. सादगी और पवित्रता

3. केवल परिश्रम और संतोष

4. उद्यम और परिश्रम

Correct Answer :-

- धैर्य,परिश्रम,संतोष और उत्तम जीवन

---

23) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कौन सा शब्द परमात्मा का समानार्थी नहीं है?

1. देव

2. भगवान

3. ईश्वर

4. आत्मा

Correct Answer :-

- आत्मा

---

24) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - 'देव' शब्द का स्त्रीलिंग बताइए?

1. दैवीय

2. देवि

3. देवनी

4. देवी

Correct Answer :-

- देवी

---

25) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - 'उत्तरदायित्व' शब्द का पर्यायवाची बताइए?

1. नैराश्य

2. ओत-प्रोत

3. जिम्मेदारी

4. प्रविष्ट

Correct Answer :-

- जिम्मेदारी

---

26) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - 'गरीबी' शब्द का विलोम शब्द बताइए?

1. विनम्रता

2. प्रसन्नता

3. अमीरी

4. कृपाणता

Correct Answer :-

- अमीरी

---

27) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - 'धैर्य' शब्द की भाववाचक संज्ञा बताइए?

1. धैर्यवान

2. धीरज

3. अधीर

4. धीरता

Correct Answer :-

- धीरज

28) एक बार अमेरिका के कुलीन और सम्मानित घरों की कुछ स्त्रियां, जिन्होंने राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के दर्शन ना किए थे, उनके दर्शनों के लिए सीनेट हॉल में एकत्र हुई। महात्मा लिंकन का जन्म एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। वे स्वयं अपने उद्यम और परिश्रम से सौभाग्य की सीढ़ी पर चढ़कर अमेरिका के उच्चतम पद पर आसीन हुए थे।

जीवन की जिस सादगी और पवित्रता ने महापुरुष बनने में उनको मूल्यवान योग दिया था, वही सादगी और पवित्रता राष्ट्रपति बन जाने पर भी उनके जीवन में ओतप्रोत थी। लिंकन आए और जब वे हॉल में प्रविष्ट होकर अपने मंच की ओर जाने लगे तो नारियों को, जिन्होंने फैशनेबल और रोब से परिपूर्ण लिंकन की कल्पना की थी, सीधे-साधे लिंकन को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। उनमें से एक अपने आश्चर्य और नैराश्य को छिपाना सकी और बोली ,"क्या यही गरीब राष्ट्रपति लिंकन है?" लिंकन ने यह बात सुन ली और विनम्रता से कहा, "देवी! गरीब लोग परमात्मा के प्यारे होते हैं। इसी कारण संसार में गरीबों की संख्या अधिक है।"

वस्तुतः अमीरों की अपेक्षा गरीबों का उत्तरदायित्व परमात्मा के प्रति बहुत कम होता है। ग़रीबी जीवन की एक अवस्था होती है जिसमें मनुष्य को परमात्मा के सामने अपने धैर्य, अपने परिश्रम, को अपने संतोष और अपने उत्तम जीवन की परीक्षा देनी होती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - 'आदरणीय' शब्द का पर्यायवाची इस गद्य से ढूंढकर बताइए?

1. निर्धन

2. मूल्यवान

3. सम्मानित

4. अत्यंत

Correct Answer :-

- सम्मानित

29) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - 'रजनी' का अर्थ क्या है?

1. ग्रीष्म ऋतु

2. रात

3. दिन

4. प्रातःकाल

Correct Answer :-

- रात

30) हम राज्य लिए मरते हैं!

सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।

जिनके खेतों में हैं अन्न,

कौन अधिक उनसे सम्पन्न?

पत्नी-सहित विचरते हैं वे, भव-वैभव भरते हैं,

हम राज्य लिए मरते हैं!

वे गो-धन के धनी उदार,

उनको सुलभ सुधा की धार,

सहनशीलता के आगर वे श्रम-सागर तरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

यदि वे करें, उचित है गर्व,

बात बात में उत्सव-पर्व,

हम-से प्रहरी-रक्षक जिनके, वे किससे डरते हैं?

हम राज्य लिए मरते हैं!

करके मीन-मेख सब ओर,

किया करें बुध वाद कठोर,

शाखामयी बुद्धि तज कर वे मूल-धर्म धरते हैं।

हम राज्य लिए मरते हैं!

होते कहीं वही हम लोग,

कौन भोगता फिर ये भोग?

उन्हीं अन्नदाताओं के सुख आज दुःख हरते हैं!

हम राज्य लिए मरते हैं!

प्रभु को निष्कासन मिला, मुझको कारागार,

मृत्यु-दण्ड उन तात को, राज्य, तुझे धिक्कार!

चौदह चक्कर खायगी जब यह भूमि अभंग,

घूमेंगे इस ओर तब प्रियतम प्रभु के संग।

प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,

अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!

पर पल पल ले रहा यहाँ प्राणों से टक्कर,

कलह-मूल यह भूमि लगावे चौदह चक्कर!

सिकुड़ा सिकुड़ा दिन था, सभीत-सा शीत के कसाले से,

सजनी, यह रजनी तो जम बैठी विषम पाले से!

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - "प्रियतम प्रभु के संग आयँगे तब हे सजनी,
अब दिन पर दिन गिनो और रजनी पर रजनी!" -इन पंक्तियों में निम्न में से कौन-सा भाव है?

1. आशा

2. करुणा

3. निराशा

4. विद्रोह

Correct Answer :-

- आशा

Topic:- HINDI (HIN)

1) जिस निबंध में किसी घटना, वस्तु अथवा स्थान का वर्णन होता है, उसे किस प्रकार का निबंध कहते है।

1. भावात्मक निबंध

2. विचारात्मक निबंध

3. वर्णनात्मक निबंध

4. साहित्यिक या आलोचनात्मक निबंध

Correct Answer :-

- वर्णनात्मक निबंध

2) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन-सा छन्द है?

दीठि चकाचौंधि गई देखत सुबर्नमई,
एक ते आछे एक द्वारिका के भौन हैं।
पूछे बिनु कोऊ कहूँ काहू सों बात करै,
देवता से बैठे सब साधि साधि मौन हैं।।

1. छप्पय छन्द

2. सवैया छन्द

3. घनाक्षरी छन्द

4. कुण्डलिया छन्द

Correct Answer :-

- घनाक्षरी छन्द

3) शिक्षण अधिगम सामग्री के बहुमुखी स्त्रोत नहीं हैं -

1. चार्ट

2. ब्लैक-बोर्ड

3. बेंच

4. प्रोजेक्टर

Correct Answer :-

- बेंच

4) शिक्षक को पुस्तक हमेशा किस हाथ में रखनी चाहिए?

1. इनमें से कोई नहीं

2. बाएं हाथ में

3. दायें हाथ में

4. दोनों हाथों में

Correct Answer :-

- बाएं हाथ में

5) अहिन्दी क्षेत्रों में हिंदी का शिक्षण -

1. व्यावहारिक व विवेचनात्मक हो

2. तार्किक व औचित्यपूर्ण हो

3. सहज व सरल हो

4. वैज्ञानिक व स्वाभाविक हो

Correct Answer :-

- वैज्ञानिक व स्वाभाविक हो

6) व्याकरण, कोष आदि के आधार पर शब्द के सांकेतिक अर्थ का बोध करने वाली शक्ति निम्न में से क्या कहलाती है?

1. लक्षणा शब्द शक्ति

2. व्यंजना शब्द शक्ति

3. विरचना शब्द शक्ति

4. अभिधा शब्द शक्ति

Correct Answer :-

- अभिधा शब्द शक्ति

7) इनमें से किस नाटक का आधार महाकवि कालीदास का जीवन-चरित्र है?

1. लहरों के राजहंस

2. पहला राजा

3. आधे अधूरे

4. आषाढ़ का एक दिन

Correct Answer :-

- आषाढ़ का एक दिन

8) 'आदेश पत्र' किस प्रकार का पत्र होता है?

1. व्यावसायिक पत्र

2. शैक्षणिक पत्र

3. वैयक्तिक पत्र

4. सूचनात्मक पत्र

Correct Answer :-

- व्यावसायिक पत्र

9) 'त्रिशंकु' और 'आत्मनेपद' किसके निबंध संग्रह हैं?

1. अज्ञेय

2. शांतिप्रिय द्विवेदी

3. जैनेंद्र

4. रामधारी सिंह दिनकर

Correct Answer :-

- अज्ञेय

10) 'अशोक के फूल' निबंध के निबंधकार कौन हैं?

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी

2. सियाराम शरण गुप्त

3. सुमित्रानंदन पन्त

4. रामधारी सिंह दिनकर

Correct Answer :-

- हजारी प्रसाद द्विवेदी

11) 'अतीत के चलचित्र' किसके द्वारा लिखित निबंध है?

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. सूर्यकांत त्रिपाठी
3. नीरजा गुलेरी
4. महादेवी वर्मा

Correct Answer :-

- महादेवी वर्मा

12) 'इतना क्रूर! का सामान्य वाक्य में रूपांतरण कौन सा है?

1. बहुत क्रूर।
2. इतना क्रूर?
3. इतना ! क्रूर है
4. वह ही तो क्रूर है।

Correct Answer :-

- बहुत क्रूर।

13) 'ठलुआ क्लब' किसके द्वारा लिखित प्रसिद्ध निबंध है?

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. गुलाबराय
3. सरदार पूर्ण सिंह
4. अमृतराय

Correct Answer :-

- गुलाबराय

14) 'आपका पत्र मिला' से आरंभ होने वाले पत्र के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा कथन सत्य है?

1. यह किसी पूर्व प्राप्त पत्र का उत्तर है।
2. यह प्रधानाचार्य को लिखा जा रहा पत्र है।
3. यह मित्र को लिखा जा रहा पत्र है।
4. यह पोलिस-अधिकारी को लिखा जा रहा पत्र है।

Correct Answer :-

- यह किसी पूर्व प्राप्त पत्र का उत्तर है।

15) 'संलग्न' से तात्पर्य है?

1. प्रेषणकर्ता के हस्ताक्षर
2. प्रशंसात्मक अंत
3. टंकणकर्ता के हस्ताक्षर
4. प्रमाणस्वरूप भेजे गए दस्तावेज़

Correct Answer :-

- प्रमाणस्वरूप भेजे गए दस्तावेज़

16) 'आचरण की सभ्यता' किसके द्वारा रचित निबंध है ?

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. प्रभाकर माचवे
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी
4. अध्यापक पूर्णसिंह

Correct Answer :-

- अध्यापक पूर्णसिंह

17) आचार्य रामचंद्र शुक्ल रचित 'लज्जा और ग्लानि' किस प्रकार का निबंध है?

1. मनोविकारों संबंधी निबंध
2. आलोचनात्मक निबंध
3. ललित निबंध
4. प्रकृति संबंधी निबंध

Correct Answer :-

- मनोविकारों संबंधी निबंध

18) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने किसे रीतिकाल का प्रथम कवि माना है?

1. बिहारी
2. केशवदास
3. भूषण
4. चिंतामणी

Correct Answer :-

- बिहारी

19) किस छन्द के प्रत्येक चरण में आठ सगण के क्रम से कुल 24 वर्णन होते हैं?

1. मत्तगयन्द छन्द
2. लवंगलता सवैया छन्द
3. कुंद लता सवैया छन्द
4. दुर्मिल सवैया छन्द

Correct Answer :-

- दुर्मिल सवैया छन्द

20) श्रवण कौशल का संबंध है -

1. कान से
2. नाक से
3. मुँह से
4. आँख से

Correct Answer :-

- कान से

21) गोस्वामी तुलसीदास रचित 'रामचरितमानस' निम्न में से किस छन्द-पद्धति में है?

1. सोरठा-चौपाई
2. सवैया-कुण्डलिया
3. दोहा-कुण्डलिया
4. दोहा-चौपाई

Correct Answer :-

- दोहा-चौपाई

22) सवैया छंद में कृष्णलीला के गीत रचने वाले प्रथम कवि कौन थे?

1. सूरदास
2. मीराबाई

3. केशवदास

4. रसखान

Correct Answer :-

- रसखान

23) उच्चारण सम्बंधित समस्यायों को ठीक करने के लिए किन यंत्रों की मदद नहीं लेनी चाहिए -

1. लिंग्वाफोन की

2. उपरोक्त सभी

3. समाचार पत्रों की

4. टेपरिकार्डर की

Correct Answer :-

- समाचार पत्रों की

24) महाराष्ट्र की राजभाषा इनमें से कौन सी है?

1. बम्बईया भाषा

2. मराठी भाषा

3. टपोरी भाषा

4. हिंदी भाषा

Correct Answer :-

- मराठी भाषा

25) सुबह से काम करते-करते थक गया हूँ, ज़रा _____। वाक्य में कौन सा मुहावरा उपयुक्त है।

1. कमर कस लूँ

2. चहल कदमी कर लूँ

3. कमर सीधी कर लूँ

4. कल न पड़ लूँ

Correct Answer :-

- कमर सीधी कर लूँ

26) पत्र लेखन में 'संबोधन' किसे कहा जाता है?

1. प्रेषक का पता

2. हाशिए

3. प्राप्तकर्ता के पते को

4. प्राप्तकर्ता के प्रति सम्मान या स्नेह

Correct Answer :-

- प्राप्तकर्ता के प्रति सम्मान या स्नेह

27) औपचारिक पत्र को _____ भी कहा जाता है।

1. व्यावसायिक पत्र

2. कार्यालयीन पत्र

3. पारिवारिक पत्र

4. आपात्कालीन पत्र

Correct Answer :-

- कार्यालयीन पत्र

28) भाषा शिक्षक में निम्नलिखित में से कौन सा गुण आवश्यक नहीं है?

1. धनी व उच्च पद पर आसीन

2. प्रभावशाली व्यक्तित्व व उत्तम संगठनकर्ता

3. वैयक्तिक भिन्नता का ज्ञान व सही मानसिक स्वास्थ्य

4. जिस भाषा में पढ़ा रहे हों उस भाषा पर अधिकार

Correct Answer :-

- धनी व उच्च पद पर आसीन

29) भाषा एक उपकरण के रूप में प्रयोग की जाती है -

1. उपरोक्त सभी

2. केवल क्षमताओं का विकास करने में

3. केवल मानव सभ्यता एवं संस्कृति की पहचान करने में

4. केवल सीखने में

Correct Answer :-

- उपरोक्त सभी

30) कक्षा में छात्रों की सक्रियता देखी जाती है -

1. शिक्षक की हाँ में हाँ मिलाने से

2. शोर मचाने में

3. मौन बैठने में

4. सुनने और बोलने में

Correct Answer :-

- सुनने और बोलने में

31) कक्षा में प्रश्न पूछना, साहित्यिक कार्यक्रम कराना, पाठों का अभ्यास कराना, मौखिक-लिखित कार्य कराना आदि किस सिद्धांत के अंतर्गत आते हैं?

1. क्रियाशीलता का सिद्धांत

2. अनुकरण का सिद्धांत

3. अभिप्रेरणा एवं रुचि का सिद्धांत

4. अनुबन्धन का सिद्धांत

Correct Answer :-

- क्रियाशीलता का सिद्धांत

32) अनौपचारिक पत्र में अपने बराबर वालों को निम्न में से कौन-सा संबोधन उपयोग में लाया जाता है?

1. पूज्य

2. प्रिय मित्र

3. अनुज

4. आदरणीय

Correct Answer :-

- प्रिय मित्र

33) एक डॉक्टर द्वारा दूसरे डॉक्टर को लिखित औपचारिक पत्र में कौन-से संबोधन का प्रयोग किया जाएगा?

1. महोदय/महोदया

2. मिस्टर/मिस

3. प्रिय

4. डॉक्टर

Correct Answer :-

- महोदय/महोदया

34) प्रेस विज्ञप्ति कौन किसे भेजता है?

1. एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय
2. एक कार्यालय से समाचार पत्रों मे प्रकाशनार्थ
3. समाचार पत्र के संपादक द्वारा कार्यालय के अधिकारी
4. एक अधिकारी द्वारा दूसरे अधिकारी को

Correct Answer :-

- एक कार्यालय से समाचार पत्रों मे प्रकाशनार्थ

35) निम्न में से कौन-सी कहानी भीष्म साहनी की नहीं है?

1. पाली
2. अमृतसर आ गया
3. वाङ्चू
4. ईदगाह

Correct Answer :-

- ईदगाह

36) निम्न में से कौन-सा नाटक जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित नहीं है?

1. चंद्रगुप्त
2. ध्रुवस्वामिनी
3. स्कंदगुप्त
4. पहला राजा

Correct Answer :-

- पहला राजा

37) निम्न में से कौन-सा नाटक मोहन राकेश द्वारा लिखित नहीं है?

1. लहरों के राजहंस
2. कोणार्क

3. आधे अधूरे

4. आषाढ़ का एक दिन

Correct Answer :-

- कोणार्क

38) निम्न में से वाचन कौशल की विधि नहीं है -

1. वर्णमाला पद्धति

2. ध्वन्यात्मक पद्धति

3. अक्षर बोध विधि

4. विदेहात्मक पद्धति

Correct Answer :-

- विदेहात्मक पद्धति

39) निम्न में से कौन सी बोली पश्चिमी हिंदी भाषी क्षेत्र की नहीं है?

1. अवधी

2. हरियाणी

3. बुन्देली

4. ब्रज भाषा

Correct Answer :-

- अवधी

40) निम्न में से किस रचनाकार को छायावाद के आधार स्तंभों में नहीं गिना जाता है?

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

2. हरिवंशराय बच्चन

3. जयशंकर प्रसाद

4. महादेवी वर्मा

Correct Answer :-

- हरिवंशराय बच्चन

41) निम्न में से किस नाटक के मुख्य पात्र पिता-पुत्र हैं?

1. लहरों के राजहंस

2. पहला राजा

3. कोणार्क

4. आधे अधूरे

Correct Answer :-

- कोणार्क

42) निम्न में से किसे रीतिमुक्त काव्यधारा का कवि नहीं माना जाता है?

1. बिहारी

2. बोधा

3. घनआनंद

4. आलम

Correct Answer :-

- बिहारी

43) कहानी सुनना भाषा की अभिव्यक्ति का कौन सा रूप है?

1. इनमें से कोई नहीं

2. केवल मौखिक

3. केवल लिखित

4. लिखित और मौखिक दोनों

Correct Answer :-

- केवल मौखिक

44) निम्न में से किसने क्रियाशीलता के सिद्धांत पर बल दिया है -

1. उपरोक्त सभी

2. केवल डिवी

3. केवल फ्रोबेल

4. केवल मांटेसरी

Correct Answer :-

- उपरोक्त सभी

45) बालकों की अधिगम संबंधी कठिनाईयों का पता लगाकर उसको दूर करने का प्रयास कहलाता है -

1. मूल्यांकन विधि
2. विरेचन विधि
3. उपचारात्मक विधि
4. आलोचनात्मक विधि

Correct Answer :-

- उपचारात्मक विधि

---

46) बालकों के भाषा सीखने में एक उपयुक्त परिवेश नहीं है -

1. विद्यालय
2. पर्यावरण
3. समाज
4. परिवार

Correct Answer :-

- पर्यावरण

---

47) एक पंथ दो काज, लोकोक्ति का अर्थ है -

1. एक कार्य से दो लाभ।
2. वस्तु एक पर माँग करने वाले अधिक।
3. किसी को उसी की उक्ति से मात देना।
4. पूरी ताकत से बदला चुकाना।

Correct Answer :-

- एक कार्य से दो लाभ।

---

48) "शिवा को बखानौ कि बखानौ छत्रसाल को।" - किसकी प्रसिद्ध पंक्ति है?

1. केशवदास
2. मतिराम
3. तुलसीदास
4. भूषण

Correct Answer :-

- भूषण

49) नियमित रूप से किसी भाषा को सुनकर बच्चे क्या ग्रहण करते हैं?

1. शब्द
2. ध्वनि
3. अर्थ
4. भाषा की बुनियादी संरचना

Correct Answer :-

- भाषा की बुनियादी संरचना

50) महादेवी वर्मा के काव्य पर किस दर्शन या विचारधारा का प्रभाव माना जाता है?

1. शैव दर्शन के आनंदवाद का
2. गाँधीवाद के अहिंसावाद का
3. बौद्ध दर्शन के दुखवाद का
4. सांख्य दर्शन के भौतिकवाद का

Correct Answer :-

- बौद्ध दर्शन के दुखवाद का

51) सही विकल्प बताएं-

शब्द चमत्कार से युक्त और रहित दोनों ही रूपों में _____ अनिवार्य तत्व है।

1. अर्थ
2. कल्पना
3. बुद्धि
4. भाव

Correct Answer :-

- अर्थ

52) सही विकल्प बताएं -

छन्द बद्ध रचना _____ कहलाती है।

1. पद्य
2. निबंध

3. गद्य

4. कहानी

Correct Answer :-

- पद्य

53) सही विकल्प बताइये -

किसी साहित्यकार, साहित्यिक विधा या साहित्यिक प्रवृत्ति पर लिखा गया निबंध _____ कहलाता है।

1. भावात्मक निबंध

2. विचारात्मक निबंध

3. वर्णनात्मक निबंध

4. साहित्यिक या आलोचनात्मक निबंध

Correct Answer :-

- साहित्यिक या आलोचनात्मक निबंध

54) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

ये चपला चमकै नहीं , चमकै रिपु करवाल ।

ये मतवारे गज निकरए नहिं जलद रसाल ।।

1. शुद्धा पह्नुति अलंकार

2. अनुप्रास अलंकार

3. यमक अलंकार

4. रूपक अलंकार

Correct Answer :-

- शुद्धा पह्नुति अलंकार

55) साहित्य का कार्य किसी देश की भौतिक विशेषताओं का गुणगान करना नहीं है। उसका कार्य सीधे-सीधे उपदेश देकर लोगों को बदलना भी नहीं है। साहित्य का कार्य तो मनुष्य को और अधिक मानवीय और समाज के लिए उपयोगी बनाना है। जब किसी मानवीय समूह में निराशा छा जाती है तब राष्ट्र में हीनता बोध का वातावरण व्याप्त हो जाता है और ऐसा लगता है कि उस देश का समाज पतन की ओर जा रहा है तो उस कठिन समय में साहित्य ही अवरोधक का कार्य करता है। वही उस राष्ट्र को पतित होने से बचने की प्रेरणा देता है। सच्चा साहित्य कभी भी मानव विरोधी प्रवृत्तियों का पक्ष नहीं लेता।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

'साहित्य कभी मानव विरोधी प्रवृत्ति का पक्ष नहीं लेता' से क्या तात्पर्य है?

1. साहित्य मानव का पक्ष नहीं लेता।

2. साहित्य मानवीयता का हिमायती होता है।

3. साहित्य की प्रवृत्तियाँ एक जैसी नहीं होती।

4. साहित्य कठिन समय में उपदेश देता है।

Correct Answer :-

- साहित्य मानवीयता का हिमायती होता है।

---

56) साहित्य का कार्य किसी देश की भौतिक विशेषताओं का गुणगान करना नहीं है। उसका कार्य सीधे-सीधे उपदेश देकर लोगों को बदलना भी नहीं है। साहित्य का कार्य तो मनुष्य को और अधिक मानवीय और समाज के लिए उपयोगी बनाना है। जब किसी मानवीय समूह में निराशा छा जाती है तब राष्ट्र में हीनता बोध का वातावरण व्याप्त हो जाता है और ऐसा लगता है कि उस देश का समाज पतन की ओर जा रहा है तो उस कठिन समय में साहित्य ही अवरोधक का कार्य करता है। वही उस राष्ट्र को पतित होने से बचने की प्रेरणा देता है। सच्चा साहित्य कभी भी मानव विरोधी प्रवृत्तियों का पक्ष नहीं लेता।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

साहित्य किसी राष्ट्र को पतित होने से कैसे बचाता है?

1. राष्ट्र को उपदेश देकर

2. देश की भौतिक विशेषताओं का गुणगान करके

3. समाज के लिए उपयोगी बनकर

4. हीनता बोध का वातावरण निर्माण कर

Correct Answer :-

- समाज के लिए उपयोगी बनकर

---

57) साहित्य का कार्य किसी देश की भौतिक विशेषताओं का गुणगान करना नहीं है। उसका कार्य सीधे-सीधे उपदेश देकर लोगों को बदलना भी नहीं है। साहित्य का कार्य तो मनुष्य को और अधिक मानवीय और समाज के लिए उपयोगी बनाना है। जब किसी मानवीय समूह में निराशा छा जाती है तब राष्ट्र में हीनता बोध का वातावरण व्याप्त हो जाता है और ऐसा लगता है कि उस देश का समाज पतन की ओर जा रहा है तो उस कठिन समय में साहित्य ही अवरोधक का कार्य करता है। वही उस राष्ट्र को पतित होने से बचने की प्रेरणा देता है। सच्चा साहित्य कभी भी मानव विरोधी प्रवृत्तियों का पक्ष नहीं लेता।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है?

1. साहित्य की राष्ट्र सेवा

2. साहित्य और भौतिक विशेषताएँ

3. साहित्य की प्रवृत्तियाँ

4. साहित्य और मानवीयता

Correct Answer :-

- साहित्य और मानवीयता

58) साहित्य का कार्य किसी देश की भौतिक विशेषताओं का गुणगान करना नहीं है। उसका कार्य सीधे-सीधे उपदेश देकर लोगों को बदलना भी नहीं है। साहित्य का कार्य तो मनुष्य को और अधिक मानवीय और समाज के लिए उपयोगी बनाना है। जब किसी मानवीय समूह में निराशा छा जाती है तब राष्ट्र में हीनता बोध का वातावरण व्याप्त हो जाता है और ऐसा लगता है कि उस देश का समाज पतन की ओर जा रहा है तो उस कठिन समय में साहित्य ही अवरोधक का कार्य करता है। वही उस राष्ट्र को पतित होने से बचने की प्रेरणा देता है। सच्चा साहित्य कभी भी मानव विरोधी प्रवृत्तियों का पक्ष नहीं लेता।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार साहित्य का कार्य क्या है?

1. भौतिक विशेषताओं का गुणगान करना
2. कठिन समय मे राष्ट्र का विरोध करना
3. मनुष्य को अधिक मानवीय बनाना
4. सीधे-सीधे उपदेश देना

Correct Answer :-

- मनुष्य को अधिक मानवीय बनाना

59) साहित्य का कार्य किसी देश की भौतिक विशेषताओं का गुणगान करना नहीं है। उसका कार्य सीधे-सीधे उपदेश देकर लोगों को बदलना भी नहीं है। साहित्य का कार्य तो मनुष्य को और अधिक मानवीय और समाज के लिए उपयोगी बनाना है। जब किसी मानवीय समूह में निराशा छा जाती है तब राष्ट्र में हीनता बोध का वातावरण व्याप्त हो जाता है और ऐसा लगता है कि उस देश का समाज पतन की ओर जा रहा है तो उस कठिन समय में साहित्य ही अवरोधक का कार्य करता है। वही उस राष्ट्र को पतित होने से बचने की प्रेरणा देता है। सच्चा साहित्य कभी भी मानव विरोधी प्रवृत्तियों का पक्ष नहीं लेता।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार किसी राष्ट्र के लिए कठिन समय कौन-सा होता है?

1. जब साहित्य भौतिक विशेषताओं का गुणगान करता है।
2. जब साहित्य उपदेश देने लगता है।
3. जब मानव साहित्य को नहीं पढ़ता है।
4. जब समाज पतन की ओर जाता है।

Correct Answer :-

- जब समाज पतन की ओर जाता है।

60) निम्न लिखित पंक्तियों में कौन सा छन्द है?

लता भवन ते प्रगट भे, तेहि औसर दोउ भाइ ।

निकसे जनु जुग विमल विधु ,जलज पटल बिलगाइ ।।

1. त्रिभंगी छन्द

2. रोला छन्द

3. दोहा छन्द

4. सोरठा छन्द

Correct Answer :-

- दोहा छन्द